THE DEPUTY CHAIRMAN: Whether I am satisfied or dissatisfied, there are only six minutes left. So, we cannot go on with the same question. We have to go to other questions.

बिहार में गांवों का विद्युतीकरण

*263. **श्री जर्नादन यादव :** क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार राज्य के कितने गांवों में विद्युतीकरण हो चुका है;

(ख) क्या बिहार सरकार को इस बात की जानकारी है कि बांका, गोड्डा, देवधर, दुमका, जुपुर आदि जैसे जिलों के गांवों का सिर्फ कागजों पर ही विद्युतीकरण हुआ है;

(ग) क्या सरकार के पास इन गांवों का सर्वेक्षण कराने तथा जिन गांवों में अभी तक बिजली नहीं पहुंची है, उन गांवों का विद्युतीकरण करने की कोई योजना है और;

(घ) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र कुमार भगतराम अलघ) : (क) से (घ) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

(क) उपलब्ध सूचना के अनुसार, मार्च, 1997 के अंत तक बिहार में 47,832 गांवों को विद्युतीकृत घोषित कर दिया गया है ।

(ख) ग्राम विद्युतीकरण स्कीमों को कार्यान्वित करने तथा उनका रखरखाव करना संबद्ध राज्य बिजली बोर्डों की जिम्मेदारी होती है । बीएसईबी द्वारा बताए अनुसार इन जिलों में विद्युतीकृत किए गए गांवों की संख्या विवरण–क में दी गई है । **(नीचे देखिए)**

(ग) ग्राम विद्युतीकरण एक सतत प्रक्रिया है तथा गैर-विद्युतीकृत गांवों का विद्युतीकरण किए जाने के लिए वार्षिक वास्तविक लक्ष्यों का निर्धारण निधियों की उपलब्धता, राज्य सरकारों की प्राथमिकताओं तथा अन्य आवश्यक निवेशों को ध्यान में रख कर किया जाता है ।

(घ) सन् 2000 ई० के अंत तक शत-प्रतिशत गांवों का विद्युतीकरण कार्य सम्पन्न किए जाने के लिए बिहार सरकार ने 1995–96 में एक योजना तैयार की थी । तथापि, बिहार में शेष गांवों का विद्युतीकरण किया जाना, बीएसईबी के पास निधियों की उपलब्धता तथा अन्य निवेशों पर निर्भर करेगा ।

विवरण–क

बीएसईबी से प्राप्त प्रगति रिपोर्ट के अनुसार मार्च, 1997 के अंत तक बांका, गोड्डा, देवगढ़, दुमका, जमुई जिलों के विद्युतीकृत गांवों की संख्या निम्नवत है :–

जिला	31.3.97 की स्थिति के अनुसार विद्युतीकृत गांवों की संख्या
भागलपुर	1910
बांका	
गोड्डा	745
देवगढ	1315
दुमका	1350
मुंगेर, जमुई	1759

टिप्पणी :–बांका तथा जमुई जिलों के विद्युतीकृत गांवों की पृथक-पृथक संख्या उपलब्ध नहीं है क्योंकि इन जिलों को क्रमशः भागलपुर तथा मुंगेर से अलग कर दिया गया है ।

श्री जनार्दन यादव : मैडम, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि जिस प्रश्न को मैंने पूछा था, उसका जवाब ही नहीं है।

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त) : कोई नई बात है क्या ?

श्री जनार्दन यादव : मैडम मैंने अपने प्रश्न के (ख) भाग में पूछा था कि "क्या बिहार सरकार को इस बात की जानकारी है कि बांका, गोड्डा, देवघर, दुमका, जमुई आदि जैसे जिलों के ग्रामों का सिर्फ कागजों पर ही विद्युतीकरण हुआ है", इसका कोई जवाब ही नहीं है और गांवों में जो विद्युतीकरण हुआ है, केंद्रीय ग्रामीण विद्युतीकरण कारपोरेशन के द्वारा जो विद्युतीकरण हुआ, उन गांवों में से अधिकांश गांवों में, 80 प्रतिशत गांवों में बिजली पहुंची ही नहीं और उसकी रिपोर्ट बिहार बिजली बोर्ड को मिल गई, विभाग को मिल गई। अब जब हम लोग जाते हैं कि इन गांवों में बिजली नहीं है तो वहां के लोग हमें कागज दिखा देते हैं कि इन गांवों में विद्युतीकरण हो चुका है, इसलिए ये गांव नहीं लिए जाएंगे। मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि इन पांच जिलों के गांवों का मैंने पैदल दौरा किया है और देखा है कि वहां गांवों में बिजली ही नहीं है और जिन गांवों में बिजली है, 20 प्रतिशत गांवों में, उन गांवों में जो सम्पन्न लोग हैं, उनके घर पर तो बिजली है लेकिन जो उस गांव के छोटे छोटे टोले हैं, उनमें आज भी बिजली नहीं है, 20 प्रतिशत गांवों में और 80 प्रतिशत गांवों में तो विद्युतीकरण हुआ ही नहीं। इसलिए मैं जानना चाहता हूं ...

उपसभापति : आपके सवाल पर भी रोशनी नहीं पड़ेगी, जल्दी सवाल पूछ लीजिए।

श्री जनार्दन यादव : कि जिन गांवों के विद्युतीकरण की सूची ग्रामीण विद्युतीकरण विभाग के द्वारा भेजी गई है, क्या आप उनकी जांच कराएंगे ?

उपसभापति : यादव जी, बैठिए न आप चाहते हैं न कि आपके सवाल पर कुछ रोशनी पड़े तो मंत्री जी को टाइम तो दीजिए, टाईम खत्म ही रहा है।

श्री योगेन्द्र कुमार भगतराम अलघ : उपसभापति महोदया, रुरल इलैक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन को जब बिहार का इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड यह इन्फारमेशन देता है कि एक गांव इलैक्ट्रिफाई हो गया तो वह उसको इलैक्ट्रिफाई मानते हैं, लेकिन मुझे यह इन्फारमेशन अब मिली है, जैसे माननीय सदस्य ने कहा कि इन जिलों में ऐसे गांव हैं— दुमका में 110, गोड्डा में 131, देवगढ़ में 84 और बिहार राज्य में 3233, कुछ ऐसे जिले हैं, जहां के मुझे आंकड़े नहीं मिल पाए क्योंकि जिले का क्षेत्र बदल दिया गया है, जिनमें कि अब यह कहा जाता है कि बिजलीकरण कम्पलीट नहीं हुआ। अब उसके कई कारण कहे जाते हैं। एक यह कि 11 केबीए से नीचे बिजली नहीं लेकर गए गांव में या कुछ गांवों में पोल्स नहीं लगाए गए या कुछ गांवों में कुछ सामान की चोरी हो गई। मैं माननीय सदस्य को यह आश्वासन देना चाहूंगा कि रूरल इलैक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन को हमारी सलाह होगी कि वे इसके बारे में एक स्वतंत्र रूप से अध्ययन करवाए कि इसके पूरे फैक्ट्स क्या हैं ? मैं भी इस बात से उतना ही चिंतित हूं जितना कि वे हैं।

श्री जनार्दन यादव : उपसभापति महोदया, मेरा दूसरा पूरक प्रश्न यह है कि बिहार में 47,000 गांवों में विद्युतीकरण की आपने सूची दी है, जिनमें से अधिकांश में बिजली नहीं है, तो जो गांव बचे हुए हैं उन गांवों में आप कब तक बिजली लगवा देंगे ?

इसी के दूसरे भाग के रूप में मैं जानना चाहता हूं कि जिन गांवों में बिजली है, तार है, खम्भा है, ट्रांसफार्मर नहीं है, उन गांवों में ट्रांसफार्मर तार और खम्भा आप कब तक पहुंचा देंगे ?

उपसभापति : अभी क्वेश्चन अवर खत्म हो गया, आपका तार कट गया मंत्री जी से, आप भले ही खम्भा अपना गाड़े रहिए। अब किसी दूसरे दिन सवाल कीजिएगा।